भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 563
गुरुवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर
कांगड़ा गग्गल हवाई अड्डे की सुरक्षा

563. डॉ. राजीव भारद्वाज:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का भारत के प्रमुख हवाई अड्डों की सुरक्षा प्रणाली के अनुसार कांगड़ा गग्गल हवाई अड्डे की सुरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ को सौंपने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) वर्तमान में गग्गल कांगड़ा हवाई हड्डे से कितनी उड़ाने संचालित होती हैं और क्या उक्त उड़ानों की संख्या बढ़ाई जा सकती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त हवाई अड्डे से देश में दक्षणिी क्षेत्र के लिए सीधी उड़ान का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो इसे कब तक क्रियान्वित किए जाने की संभावना है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
नागर विमानन राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): वर्तमान में, कांगड़ा हवाईअड्डे की सुरक्षा सीआईएसएफ को सौंपने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) से (ङ): कांगड़ा हवाईअड्डे के लिए वर्तमान हवाई संपर्क अनुलग्नक पर है। मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के साथ, भारतीय घरेलू विमानन को पूरी तरह से नियंत्रणमुक्त कर दिया गया। सरकार द्वारा जारी मार्ग संवितरण दिशानिर्देशों के अनुपालन में, एयरलाइनें क्षमता बढ़ाने के लिए अपने बेड़े में किसी भी प्रकार के विमान को शामिल कर सकती हैं और सेवा प्रदान करने और प्रचालन के लिए किसी भी बाजार और नेटवर्क का चयन कर सकती हैं। अतः, यह एयरलाइन प्रचालक पर निर्भर है कि वह यातायात की मांग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर किसी भी स्थान के लिए विमान सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं।

******

अनुलग्नक

कांगड़ा हवाईअड्डे के लिए वर्तमान हवाई संपर्क

(स्लॉट आवंटन के अनुसार)

हवाईअड्डा	परिचालन करने वाली एयरलाइनें	प्रति सप्ताह विमानों की आवाजाही (आगमन + प्रस्थान) की संख्या	जोड़े गए शहर
कांगड़ा	इंडिगो, स्पाइस जेट, एलाइंस एअर	78	दिल्ली, चंडीगढ़

*****